



दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण



नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 3 अंक: 58 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) मंगलवार 10 दिसंबर 2024

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

भारत में सोने की कीमत 9 दिसंबर को गिरावट

सोने की कीमतों में गिरावट आई पैसे का सबसे अच्छा उपयोग है, जिससे निवेश के लिए यह करने के लिए सोने और चांदी की



एक अच्छा समय बन गया है। हालांकि, चांदी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। खरीदने से पहले अपने शहर में 22 और 24 कैरेट सोने की ताजा कीमतें देखें।

हर कोई सोना खरीदना चाहता है और आभूषण प्रेमी कीमतों में गिरावट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। आज भारत में सोने की कीमतों में गिरावट आई है। आइए देखें कि कीमत में कितनी गिरावट आई है। सोना सिर्फ आभूषण ही नहीं बल्कि निवेश भी है। अपने

कीमतों पर नजर रखें।

भारत में आज 22 कैरेट सोने की कीमत

1 ग्राम: 7,114 रुपये

8 ग्राम: 56,912 रुपये

10 ग्राम: 71,140 रुपये

100 ग्राम: 7,11,400 रुपये

भारत में आज 24 कैरेट सोने की कीमत

1 ग्राम: 7,761 रुपये

8 ग्राम: 62,088 रुपये

10 ग्राम: 77,610 रुपये

100 ग्राम: 7,76,100 रुपये

झालनियानगर ने रेल कारखाना शुरू करने की नांग पूर्व राज्यसभा सांसद ने रेल मंत्री को सौपा मांग पत्र

पुष्पा गुप्ता/ दैनिक समाज जागरण

देहराड़ू ऑन सोन(संवाददाता):

राज्यसभा के पूर्व सांसद एवं

संबंध में लिखे जाने के बाद यह

आश्वासन प्राप्त हुआ था कि

कार्य आरंभ कर दिया जाएगा

, लेकिन अभी तक इस संबंध में

बिहार भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल नारायण सिंह ने दिल्ली स्थित भारत सरकार के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के कार्यालय कक्ष में मिलकर क्षेत्र में रेलवे के विकास समेत डालमियानगर में बहु प्रतिक्षित रेल बैगन मरमत बार-खाना शुभांशु करने से संबंधी मांग पत्र सौंपा। इस अवसर पर उनके साथ विहार भाजपा के प्रदेश मंत्री त्रिविक्रम नारायण सिंह भी उपस्थित रहे। मांग पत्र में पूर्व सांसद श्री सिंह ने कहा है कि विहार भाजपा के लिए लोगों के लिए एक सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया है।

असम में मंत्रीमंडल विस्तार, 8 साल पहली बार हिंदी भाषी को मंत्री पद

दैनिक समाज जागरण गोरखनाथ गुप्ता

असम में हाल ही में पंचायत चुनाव होना है और 2026 में विधानसभा चुनाव इसको मद्देनजर रखते हैं। असम के राजनीतिक चांगक्य कहे जाने वाले हिंमत विश्व शर्मा ने मंत्री मण्डल में कर्ते हुए बराक भेली से असम के भोजपुरी हिंदू भाषी को कैबिनेट में जागह दी है। मालूम हो कि असम में भोजपुरी भाषी के पहले की सांस्कृतिक भाषा को मंत्री पद करते थे और उनकी संघर्षों में विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

हुआ करते थे पर जब

से असम में भाषा का विधायकों को सरकार आई है तबसे हिन्दी भाषी को मंत्री पद करने का विधायकों का टिकट काट कर अन्य समुदायों को टिकट प्रदान किया।

हिन्दी भाषी (भोजपुरी भाषी) बहुल क्षेत्रों में भी अन्य समुदायों को टिकट प्रदान किया और भाजपा के विधायकों को विजय बनाया। असम में सदियों से रह रहे उत्तर भारतीय भोजपुरी भाषी के पहले की सांस्कृतिक भाषा को मंत्री पद करने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

जो कि कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में हिंदू भाषी (भोजपुरी भाषी) के मंत्री विधायकों को विधायकों को भाषा के लिए एक स्वतंत्रता देने का विरोध किया गया।

दैनिक समाज जागरण

ममता के मन और है, जनता के मन और

हाल के आम चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगियों के दात खट्टे करे वाले आईएनडीआईए गठबंधन में भी खटास पैदा होती दिखाई दे रही है। सम्बद के शीत सत्र में इंडिया गठबंधन के घटक दल बिखरे -बिखरे नजर आ रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो सुशील ममता बनर्जी के मन की बात तो अोरों तक आए ही गयी। वे विपक्षी गठबंधन को नेतृत्व देने के लिए लालायित हैं, कोई उनसे कह भर दे।

देश में लगातार क्षण हो रही कांग्रेस और चारों दिशाओं में बिखरे विपक्षी दलों को एक जु़रू करने में मिली कामयाबी एक साल में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। विपक्षी एकता की धूरी कांग्रेस के नेता राहुल गांधी की क्षमता और लेकर सावल खड़े किया जाने लगे हैं। इसकी सीधा अर्थ है कि इंडिया गठबंधन के दलों में राहुल के नेतृत्व पर यकीन कम हो रहा है। ऐसे में यदि राहुल ने अपने आपको न बदलता तो आईएनडीआईए गठबंधन की नीति और नेता दोनों बदल सकते हैं। बदलाव की मांग बंगल से भी उठती दिखाई दे रही है और महाराष्ट्र से भी।

आम चुनाव में मिली सफलता के बाद आईएनडीआईए गठबंधन के नेता हवा में उड़ने लगे थे, लेकिन पहले हरियाणा और जमू-कश्मीर और बाद में झारखण्ड और महाराष्ट्र विधान सभा चुनावों के नतीजों ने विपक्षी गठबंधन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एक बार ये बात पर प्रमाणित हो गयी कि सब कुछ होने के बावजूद आईएनडीआईए गठबंधन की पास भाजपा को रोकने की कोई प्रभावी रणनीति नहीं है। वो आकामकता भी नहीं है जो भाजपा को सबक सीधा सके। भाजपा ने जिस तरह से हरियाणा में विपक्ष के सामने परोसी हुई सत्ता की थाली छीन ली उसी तरह से महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन का सीरिज फैला दिया।

आईएनडीआईए गठबंधन ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस को भाव नहीं दिया और समाजवादी पार्टी ने जिस तरह से हरियाणा में विपक्ष के सामने परोसी हुई सत्ता की थाली को सबक सीधा सके। भाजपा ने जिस तरह से हरियाणा में विपक्ष के नेता नेता नहीं जारी रखा है। अडानी मामले पर कांग्रेस के बहिर्गमन का साथ न तृपक्ष ने दिया और न समाजवादी पार्टी ने। समाजवादी पार्टी के नेता ने तो वहां तक कह दिया कि राहुल गांधी कांग्रेस के नेता हैं हमारे नेता नहीं।

